'सूचना प्रौद्योगिकी के दौर में प्रत्येक व्यक्ति को तकनीकी दृष्टि से अपडेट रहना जरूरी'

बीकानेर, (निसं)। सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग द्वारा उद्यमी विद्यार्थियों महिला स्वयं सहायता समूहों और उभरते स्टार्टअप्स को प्रोत्साहित करने के लिए गुरूवार को नगर विकास न्यास सभागार में संभाग स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई।

इस अवसर पर संभागीय आयुक्त डॉ. नीरज के. पवन ने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी के युग में हर व्यक्ति को तकनीकी दृष्टि से अपडेट रहना जरूरी है। उन्होंने प्रतिभागियों को नवीन आइडिया के साथ आईस्टार्ट प्रोग्राम से जुडने के लिए प्रोत्साहित किया। इससे पहले कार्यशाला का शुभारंभ सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग के आयुक्त संदेश नायक के संदेश से हुआ। उन्होंने आई स्टार्ट के बारे में बताया और युवाओं को इससे जुड़ते हुए कॅरियर बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि बीकानेर संभाग स्तर पर आई स्टार्ट इन्क्यूबेटर का शुभारम्भ जल्द किया जाएगा।

कार्यशाला में 200 से अधिक प्रतिभागियों को दो सत्रों में आई स्टार्ट प्रोग्राम के बारे में बताया गया। पहले सत्र में स्टार्टअप, उद्यमी विधार्थिन्यों को आईस्टार्ट टीम मेंटर्स मनीष भात्रा, अभिषेक पटोदिया और उमंग पुरोहित ने कम्पनी फॉर्मेशन, ब्रैंडिंग, मार्केटिंग एवं एमवीपी–प्रोडक्ट फिट विषयों पर जानकारी दी। दूसरे सत्र में स्वयं सहायता समूहों की 100 से अधिक महिलाओं ने हिस्सा लिया। इसमें से 50 आइ स्टार्ट राजस्थान से पंजीकृत थी। आइस्टार्ट टीम से अमित पुरोहित, अमरेश नागर, मनीष भात्रा ने इन्हें संबोधित किया।इस सत्र में बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अम्बरीश शरण विद्यार्थी वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से प्रतिभागियों को संबोधित किया। विभाग के संयुक्त निदेशक सत्येंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि कार्यशाला में 'बीकानेर में उभरते स्टार्टअप नव विचारों को सही दिशा कैसे प्रदान की जाए' विषयक पर पैनल चर्चा की गयी। पैनल चर्चा में संयुक्त निदेशक (प्रभारी अधिकरी स्टार्ट अप) तपन कुमार, अनिता सेठिया, स्टार्टअप रूरल रूट्स एवं एनयूएलएम मिशन मैनेजर नीलू भाटी ने विचार रखे। स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा 25 से भी अधिक उत्पादों को कार्यक्रम के दौरान प्रदर्शित किया गया। कार्यशाला में स्टार्टअप से जुड़ी विभिन्न योजनाओं व कार्यक्रमों (राजस्थान स्टार्टअप कार्यक्रम, स्कूल स्टार्टअप कार्यक्रम, आई स्टार्ट रूरल कार्यक्रम) सहित अन्य फंड नीतियों एवं इनके फायदों के बारे में युवा उद्यमियों को जानकारी प्रदान की।

संभागीय आयुक्त नीरज के पवन ने सूचना प्रौद्योगिकी व संचार निगकम की संभाग स्तरीय कार्यशाला को संबोधित किया।